

# कार्यालय, परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना

## कोरबा (ग्रामीण) जिला – कोरबा (छ0ग0)

(पता :- सखी वन स्टाप सेंटर के आगे नरसिंग गंगा कॉलोनी वार्ड नंबर 35 खरमोरा, कोरबा)

क्रमांक / 472 बाविपरि. / स्था / 2026-27

कोरबा, दिनांक 30 / 9 / 2026

// दावा आपत्ति हेतु अधिसूचना //

छ.ग. शासन महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्रालय डी.के.एस. भवन रायपुर का पत्र क्रमांक 728 / 1098 / 2008 / मबावि / 50 / रायपुर दिनांक 02.04.2008 अंतर्गत कार्यालयीन विज्ञापन क्रमांक / 197 / बाविपरि / स्था. / नियुक्ति / 2026-27 कोरबा दिनांक 10.06.2026 के द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 2 पद एवं आंगनबाड़ी सहायिका के 7 रिक्त पद पूर्ति हेतु मूल्यांकन समिति द्वारा आवेदिकाओं द्वारा प्राप्त किये गये अंको के आधार पर ऑनलाईन के माध्यम से प्रथम (अंतिम) योग्यता सूची जारी किया गया है। जनसाधारण की जानकारी के लिये उक्त सूची परियोजना कार्यालय, जनपद कार्यालय एवं संबंधित ग्राम पंचायतों में दिनांक 01.10.2026 को प्रकाशित कर दिया गया है। अधिसूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है संबंधित हितग्रही आवेदिकायें इस संबंध में सप्रमाण दावा आपत्ति दिनांक 05.10.2026 से 14.10.2026 तक ऑनलाईन के माध्यम से लिंक <http://aww.e-bharti.in> में दावा आपत्ति की जा सकती है। उसके उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। अधिसूचित पदों की सूची निम्नानुसार है :-

| क. | परिक्षेत्र का नाम | पंचायत का नाम | आंगनबाड़ी केन्द्र का नाम | पद का नाम            |
|----|-------------------|---------------|--------------------------|----------------------|
| 01 | लेमरू             | लेमरू         | काटाद्वारी 1             | आंगनबाड़ी कार्यकर्ता |
| 02 | कोरकोमा           | गेराव         | घोटमार                   | आंगनबाड़ी कार्यकर्ता |
| 03 | कोरकोमा           | कोरकोमा       | शिवनगर 1                 | आंगनबाड़ी सहायिका    |
| 04 | कोरकोमा           | चाकामार       | चाकामार 1                | आंगनबाड़ी सहायिका    |
| 05 | कोरकोमा           | ढोंगदरहा      | सलिहामाठा 2              | आंगनबाड़ी सहायिका    |
| 06 | दोंदरो            | दोंदरो        | बेलाकछार 2               | आंगनबाड़ी सहायिका    |
| 07 | दोंदरो            | सोनपुरी       | सोनपुरी 1                | आंगनबाड़ी सहायिका    |
| 08 | श्यांग            | गुरमा         | गुरमा 1                  | आंगनबाड़ी सहायिका    |
| 09 | गढ़उपरोड़ा        | देवपहरी       | बरपानी                   | आंगनबाड़ी सहायिका    |

परियोजना अधिकारी

एकीकृत बाल विकास परियोजना  
कोरबा(ग्रामीण), जिला-कोरबा (छ.ग.)

क्रमांक / 473 बाविपरि. / स्था / 2026-27

कोरबा, दिनांक 30 / 9 / 2026

प्रतिलिपि,

- (01) जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास जिला-कोरबा छ.ग. को सादर सूचनार्थ
- (02) उप संचालक जनसंपर्क जिला-कोरबा की ओर कृपया लेख कि, उक्त दावा आपत्ति अधिसूचना का प्रकाशन सभी दैनिक समाचार पत्रों में कराने का कष्ट करे।
- (03) मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत कोरबा को सूचनार्थ। कृपया दावा आपत्ति अधिसूचना एवं प्राविधिक मूल्यांकन पत्रक को सूचना पटल में चस्पा करवाने का कष्ट करे।
- (04) सरपंच / सचिव / कोटवार ग्राम पंचायत ----- को सूचनार्थ प्रेषित। कृपया दावा आपत्ति अधिसूचना को सूचना पटल में चस्पा करवाने का कष्ट करे एवं संबंधित ग्राम पंचा में मुनादी के माध्यम से प्रचार-प्रसार कराने का कष्ट करें।
- (05) पर्यवेक्षक सेक्टर ..... की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु दावा आपत्ति अधिसूचना को ग्राम पंचायत में तामिल कराकर पावती इस कार्यालय प्रस्तुत करे तथा उक्त अधिसूचना का संबंधित ग्राम में व्यापक प्रचार प्रसार करे।

परियोजना अधिकारी

एकीकृत बाल विकास परियोजना  
कोरबा(ग्रामीण), जिला-कोरबा (छ.ग.)

$$\overline{311.91} - \overline{951215121} \perp$$

| क्र.सं. | कर्मचारी का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम | पद का नाम |
|---------|-----------------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|
|---------|-----------------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|

